**तैयारी :** आतंकी घटनाओं, हादसों पर लगेगा अंकुश

# ट्रेनों की सुरक्षा के लिए 75 लाख एआइ-संचालित सीसीटीवी कैमरे

शादाब अहमद
patrika.com

**नई दिल्ली.** देश के अलग-अलग इलाकों में रेलवे ट्रैक पर कभी गैस सिलेंडर, कभी साइकिल, कभी पत्थर तो कभी लोहे के सरिए रखने की घटनाओं के आतंकी कनेक्शन की सरकारी एजेंसियां जांच कर रही हैं। रेलवे ने अपने स्तर पर ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करना शुरू कर दिया है। रेलवे देशभर में एआइ संचालित करीब 75 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। कोच के अलावा लोको पायलट को सतर्क करने के लिए लोकोमोटिव (रेल इंजन) में भी कैमरे लगाए जाएंगे।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव अधिकारियों के साथ बैठकें कर इंजनों पर लगाए जाने एआइ से लैस सीसीटीवी कैमरों की रेंज को अंतिम रूप देने पर चर्चा कर रहे हैं। रेलवे ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए 15 हजार करोड़ रुपए की लागत से कोचों और इंजनों में 75 लाख एआइ संचालित सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बनाई है।

एआइ तकनीक के कारण कैमरे पटरियों पर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगा सकेंगे और ड्राइवरों को आपातकालीन ब्रेक लगाने के लिए सचेत करेंगे। 40,000 कोच, 14,000 लोकोमोटिव और 6000 ईएमयू को एआइ-संचालिय सीसीटीवी कैमरों से लैस करने की योजना है।

इसके लिए अक्टूबर में निविदा जारी होने के आसार हैं। एक कोच में करीब छह कैमरे होंगे, जबकि लोको पायलट को सतर्क करने के लिए हरेक लोकोमोटिव में चार कैमरे होंगे। पटरी पर संदिग्ध वस्तु का पता लगाने के लिए इंजन के सामने की ओर हाई रिजॉल्यूशन कैमरे लगाने की योजना है।

## लडार तकनीक के उपयोग पर मंथन

**रेलवे** इंजन पर एआइ-आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लडार) जैसी तकनीक के उपयोग के विकल्प भी तलाश रहा है। लडार का उपयोग किसी क्षेत्र का सर्वेक्षण करने के लिए किया जाता है। विमानों में लेजर उपकरण लगाए जाते हैं।

**अजमेर.** रेलवे ट्रैक पर रखा गया 70 किलोग्राम सीमेंट का ब्लॉक।